

कक्षा : छह : गतिविधि

परिचय

पाठ्यपुस्तक	वसंत भाग 1
पाठ	वन के मार्ग में
शीर्षक	नाटकीय प्रस्तुति
समय	दो कालांश
प्रकार	सामूहिक
विद्यार्थियों की संख्या	पाँच
कौशल	नाट्यात्मकता, वर्णनात्मकता
आवश्यक सामग्री	श्रीराम के जीवन के अंश का ज्ञान तथा उनकी वेशभूषाएँ, कार्यपत्र

चरण –

शैक्षिक अधिगम –

- 1 विद्यार्थी श्रीराम के जीवन के बारे में जान सकेंगे।
- 2 सकारात्मक सोच का विकास कर सकेंगे।
- 3 हिंदी की नाट्य विधा तथा संवाद की कला को जान सकेंगे।
- 4 स्वयं में नैतिक मूल्यों का विकास कर सकेंगे।

अध्यापिका गतिविधि –

- 1 अध्यापिका विद्यार्थियों को पाँच- पाँच के समूहों में विभाजित कर देंगी।
- 2 अध्यापिका प्रत्येक समूह को श्रीराम के जीवन के किसी अंश को चुनने को कहेंगी।
- 3 तत्पश्चात् विद्यार्थियों को चुने हुए अंश का नाट्य रूपांतरण प्रस्तुत करने को कहा जाएगा।
- 4 अध्यापिका संपूर्ण गतिविधि का मूल्यांकन करेंगी तथा सभी विद्यार्थियों को कार्यपत्र पूर्ण करने का निर्देश देंगी।

नाटकीय प्रस्तुति के समय निम्न बातों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा—

- 1 नाटक की भाषा सरल तथा स्पष्ट हो।
- 2 नाटक विषय के अनुरूप हो।
- 3 नाटकों के संवाद पात्रानुकूल हो।
- 4 नाटक में कोई संदेश निहित हो।

विद्यार्थी गतिविधि –

- 1 विद्यार्थी पाँच- पाँच के समूहों में विभाजित होने के पश्चात् श्रीराम के जीवन के किसी अंश को चुनेंगे।
- 2 तत्पश्चात् सभी विद्यार्थी मूल्यांकन हेतु चुने हुए अंश को अपने समूह के विद्यार्थियों के साथ उसका नाट्य रूपांतरण प्रस्तुत करेंगे।
- 3 नाटकीय प्रस्तुति के समय वे नाट्य विधा के नियमों का पालन करेंगे।
- 4 सभी विद्यार्थी कार्यपत्र पूर्ण करेंगे।

मूल्यांकन के मापदंड –

क्रम सं०	मूल्यांकन के क्षेत्र	अंक 10
1	विषय की प्रस्तुति	3
2	प्रभावोत्पादकता	3
3	भाषा का स्तर एवं शुद्धता	2
4	कार्य की पूर्णता	1
5	समयबद्धता	1

कार्यपत्र

पाठ – वन के मार्ग में

विद्यार्थी का नाम –

गतिविधि – नाटकीय प्रस्तुति

अनुक्रमांक –

प्र01 नीचे लिखे रामायण के पात्रों का परिचय दिए गए उदाहरण के अनुसार लिखिए।

क्रम सं०	पात्र	परिचय
1	श्रीराम	महाराज दशरथ के ज्येष्ठ पुत्र
2	लक्ष्मण	
3	सीता	
4	कैकेयी	
5	भरत	
6	रावण	
7	विभीषण	
8	हनुमान	
9	कौशल्या	
10	शूर्पणखा	

प्र0 2 आप श्रीराम के आदर्श जीवन के किन – किन मूल्यों को स्वयं में आत्मसात् करना चाहते हैं ?
उनका वर्णन कीजिए।

उत्तर _____
